बिहार विधान परिषद

(विधान परिषद् का 192वां बजट सत्र)

09 जुलाई 2019

[ऊर्जा - उद्योग - स्वास्थ्य - लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण - अल्पसंख्यक कल्याण - गन्ना उद्योग - संसदीय कार्य विधि].

- 23

नया विद्युत कनेक्शन

*142 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

ऊर्जा :-

प्रो. नवल किशोर यादव : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पटना स्थित कंकड़बाग बाईपास मोहल्ले जगनपुरा, आर.के. नगर शाहपुर ब्रह्मपुर, खैमनीचक, गोलकी मोड़ एवं सुभाषनगर के लोगों को नये विद्युत कनेक्शन लेने कनीय अभियंता कार्यालय एवं बिजली कम्पनी के ऑफिसरों के कार्यालयों में चक्कर लगाना पड़ रहा है, फिर भी उन्हें नया विद्युत कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है, जिससे ग्रामीण काफी क्षुब्ध हैं;

(ख) क्या यह सही है कि स्थानीय जूनियर विद्युत अभियंता की मनमानी एवं उपभोगताओं से अवैध राशि वसूली के चक्कर में नया विद्युत कनेक्शन देने का कार्य, विगत छः महीनों से लंबित रखा गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार खंड 'ख' की स्थिति में कनीय अभियंता एवं अन्य संबंधित क्रिया-कलापों को जांच कराने तथा प्रभावित ग्रामीण उपभोगताओं के घरों पर नया कनेक्शन देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

वैकल्पिक व्यवस्था

***143 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में चरणबद्ध तरीके से 'अल्ट्रासाउण्ड सिस्टम' की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जिसका संचालन सिर्फ रेडियोलॉजिस्ट के द्वारा ही किया जाना है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के रेडियोलॉजिस्ट विशेषज्ञों के संख्यात्मक अभाव के कारण उपलब्ध कराये गये उक्त उपकरण का लाभ संबंधित मरीजों को नहीं मिल पा रहा है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अल्ट्रासाउण्ड सिस्टम के नियमित संचालन हेतु कोई वैकल्पिक व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कैसे, नहीं तो क्यों ?

जलमीनार की व्यवस्था

***144 श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के अगिआंव प्रखंड, चरपोखरी प्रखंड और उदवन्तनगर प्रखंड में जलमीनार हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उदवन्तनगर प्रखंड में 20 वर्षों से, चरपोखरी में 11 साल से, अगिआंव प्रखंड में कई साल से जलमीनार बन कर तैयार हैं, लेकिन टंकी का पानी किसी घर में नहीं पहुंचा है, वह प्रखंड में शोभा की वस्तु बनकर रह गए हैं;

(ग) क्या यह सही है कि इस मद में करोड़ों रुपये विभाग द्वारा खर्च किए गए हैं, लेकिन विभाग के पदाधिकारी की मिलीभगत से गुणवत्तापूर्ण और प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं किया गया है, संवेदक द्वारा पैसा निकाल लिया गया है;

(घ) जिला स्तर पर इस योजना की समीक्षा कब-कब की गई है, किन कारणों से जनता को टंकी का पानी अभी तक नहीं मिल रहा है, इस कार्य को दोषी कौन है;

(ङ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए कब तक जलमीनार से पानी उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो

कबतक, नहीं तो क्यों ?

समस्याओं का निराकरण

*145 **श्री रामचन्द्र भारती (मनोनीत):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकार के अथक प्रयास के बावजूद राज्य में शिशुओं की मृत्यु दर में कोई कमी नहीं आ रही है;

(ख) क्या यह सही है कि हाल ही में केन्द्र की पांच सदस्यीय टीम के द्वारा पी.एम.सी.एच. के शिशु रोग विभाग एवं प्रसूति विभाग का निरीक्षण किया गया;

(ग) क्या यह सही है कि निरीक्षण के दौरान एक ही बेड पर दो शिशुओं का इलाज करते पाया गया, साथ ही इलाज संबंधित उपकरणों का भी घोर अभाव पाया गया;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इन समस्याओं के निराकरण हेतु कौन-सा कारगर कदम उठाना चाहती है और कबतक ?

पेयजल की व्यवस्था

*146 **डा. दिलीप कुमार चौधरी (स्नातक दरभंगा):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जलस्तर सामान्य से काफी नीचे चला गया है, जिसके कारण पानी का हाहाकार मचा हुआ है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार मधुबनी जिला को पेयजल संकट से मुक्त कराने की दिशा में कौन-सी कार्रवाई कर रही है, यदि नहीं तो क्यों ?

पर्याप्त व्यवस्था

*147 **श्री कृष्ण कुमार सिंह (विधान सभा):**

उद्योग :-

श्री कृष्ण कुमार सिंह : क्या मंत्री, उद्योग विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य बुनकरों व बेरोजगारों को हस्तकरघा की ट्रेनिंग देने के लिए पटना के राजेन्द्र नगर में वर्ष 1987 में केन्द्रीय डिजाइन सेंटर (बुनकर प्रशिक्षण केन्द्र) खोला गया था;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षुओं को छह माह की ट्रेनिंग दी जाती है, वर्तमान में मात्र 5 छात्रों को ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जबकि पहले बुनकरों के अलावा हस्तकरघा की ट्रेनिंग लेने वालों की अच्छी खासी संख्या होती थी;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त सेंटर में ट्रेनिंग देने वाले हस्तकरघे खराब पड़े हैं, अधिक से अधिक हिस्से में लाइट नहीं है, तथा खराब हो चुके सैकड़ों फर्नीचर का कबाड़ लगा हुआ है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त प्रशिक्षण केन्द्र में पटना जिला समेत पूरे प्रमंडल के बुनकरों व बेरोजगारों को ठीक ढंग से ट्रेनिंग नहीं मिल पा रही है;

(ङ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हस्तकरघा की ट्रेनिंग को सुगम बनाने के लिए उक्त केन्द्र में पर्याप्त लाइट, प्रशिक्षुओं के लिए बैठने की जगह और खराब पड़े हस्तकरघा को ठीक कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

प्लांट चालू करने पर विचार

*148 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

ऊर्जा :-

डा. रामचन्द्र पूर्वे : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला के अन्तर्गत सदर अस्पताल में रोशनी की समुचित व्यवस्था करने के लिए वर्ष 2014 में 55 लाख की राशि खर्च कर सोलर प्लान्ट लगाया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद भी सोलर प्लान्ट चालू नहीं हो सका है, जबकि वर्तमान में जेनेरेटर से विद्युत आपूर्ति आउट-सोर्सिंग से की जाती है, जिस पर प्रतिमाह 2.23 लाख रुपये खर्च किया जाता है।

(ग) क्या यह सही है कि सोलर प्लांट को जानबूझकर चालू नहीं किया गया है, ताकि विद्युत आपूर्ति के नाम पर सरकारी राशि का गबन किया जा सके ;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सोलर प्लांट चालू नहीं होने के संबंध में उच्च स्तरीय जांच कराने एवं दोषी के विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ प्लांट को चालू कराने की दिशा में सरकार कौन-सी कार्रवाई कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

जल की व्यवस्था

*149 **श्री सुनील कुमार सिंह (स्थानीय प्राधिकार, दरभंगा):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में पी.एच.ई.डी. द्वारा पाइप लाइन बिछा कर जल आपूर्ति की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि अभी भी कई मोहल्लों में पाइप तक नहीं बिछाया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि जहां भी नल द्वारा जल आपूर्ति की जा रही है, वहां कई जगहों पर नल में टोंटी नहीं लगी है, जिसके कारण जल आपूर्ति के समय पानी बहकर बर्बाद हो रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्रों में बाकी स्थानों पर पाइप लाइन बिछा कर जल आपूर्ति करवाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का वि चार रखती है, यदि हो कबतक, नहीं तो क्यों ?

ए.सी.पी. का लाभ

*150 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2004 में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा जल जांच प्रयोगशाला के लिए केमिस्टों की नियुक्ति की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि लगभग 15 वर्ष बीत जाने के बाद भी न ही इनकी सेवा संपुष्ट की गई है, न ही सेवा शर्त लागू की गई है और न ही ए.सी.पी. का लाभ इन्हें दिया गया है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इनकी सेवा संपुष्टि, सेवा शर्त नियमावली बनवाने, ए.सी.पी. का लाभ देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

जल नल लगाने पर विचार

*151 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत लगभग सभी पंचायतों में नल के जल की समस्या का सुधार नहीं हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि नल का जल योजना के तहत पैसे की बंदरबांट की जा रही है और पंचायत में समस्या ज्यों-की-त्यों बनी हुई है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जिला के सभी पंचायतों में नल का जल पूर्णरूपेण लगाने का वि चार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

विद्युत तार-पोल की व्यवस्था

*152 **श्री सुबोध कुमार (वैशाली स्थानीय प्राधिकार):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वैशाली जिला अन्तर्गत राघोपुर प्रखंड में बिजली के तार, पोल, ट्रांसफार्मर आदि लगाने हेतु निजी कंपनी को निविदा दी गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि जिस कंपनी को निविदा दी गयी उसने आज तक अपना कार्य पूरा नहीं किया तथा जो भी कार्य किया उसका स्तर इतना घटिया था कि उसके द्वारा गाड़े पोल जहां-तहां उखड़ कर गिर गये हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वैशाली जिलान्तर्गत राघोपुर प्रखंड में बिजली के तार, पोल, ट्रांसफार्मर आदि लगाकर लोगों के घरों को रौशन करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

निरस्त पर विचार

*153 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवायें, पटना के पत्रांक-526(4), दिनांक-17.5.2018 के आलोक में सिविल सर्जन, पटना के

ज्ञापांक-4127, दिनांक-7.6.2018 के द्वारा लिपिक संवर्ग का स्थानांतरण किया गया था, परन्तु सिविल सर्जन द्वारा उन्हें विरमित नहीं किया गया;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित आदेश का अनुपालन किये बिना ही सिविल सर्जन कार्यालय के ज्ञापांक-2144, दिनांक-7.3.2019 के द्वारा उन लिपिकों को पुनः सिविल सर्जन कार्यालय में ही पदस्थापित कर दिया गया है जो निदेशक प्रमुख के आदेश का उल्लंघन है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सिविल सर्जन कार्यालय के ज्ञापांक-2144, दिनांक-7.3.2019 को अविलम्ब निरस्त करना चाहती है ?

उपभोक्ताओं को राहत

*154 **श्री देवेश चन्द्र ठाकुर (स्नातक तिरहुत):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना नगर निगम के अन्तर्गत राजीवनगर रोड नं.-16 के अंतिम में एक नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जो अभी चालू नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त मोहल्ला में पुराने ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक भार होने के कारण पीक-आवर में ए.सी., फ्रिज एवं अन्य सभी इलेक्ट्रोनिक सामानों का संचालन बाधित रहता है;

(ग) क्या यह सही है कि काफी गर्मी रहने के कारण उक्त मोहल्ला के उपभोगतागण को काफी कठिनाइयों का समाना करना पड़ रहा है, जिससे स्थानीय कनीय अभियंता भी अवगत हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राजीवनगर रोड नं.-16 में नव स्थापित ट्रांसफार्मर को शीघ्र चालू कर उपभोगताओं को राहत प्रदान करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना

*155 **श्री गुलाम रसूल (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत प्रखंड सौरबाजार, पंचायत रौता खेम के ग्राम-चिकनी की जिला मुख्यालय से दूरी लगभग 28 कि.मी. है तथा इस ग्राम से निकटतम स्वास्थ्य उपकेन्द्र की दूरी लगभग 7-8 कि.मी. है।

(ख) क्या यह सही है कि उक्त ग्राम एवं आसपास की जनसंख्या को छोटी से छोटी बीमारी के इलाज के लिए भी लंगी दूरी तय करनी पड़ती है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्राम-चिकनी में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र स्थापित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

विद्युत विपत्रों में सुधार

*156 **डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विद्युत वितरण कंपनी उत्तर बिहार एवं दक्षिण बिहार के द्वारा लगातार विद्युत विपत्र में गड़बड़ी की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा निर्देशित इंटरनेट की सुविधा से विपत्र की राशि जमा करने के बावजूद राशि को सामंजित नहीं कर विपत्र में अनियमितता लगातार की जा रही है;

(ग) क्या यह सही है कि पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई, मधुबनी आदि जिले के उपभोक्ताओं के द्वारा विपत्र में गड़बड़ी की शिकायतें विद्युत विभाग में दर्ज कराने के बावजूद भी उसके निष्पादन में तत्परता नहीं बरती जा रही है;

(घ) क्या यह सही है कि ठेकेदारी प्रथा के अंतर्गत मीटर रीडिंग करने वाले अनुसेवकों के द्वारा अपने मन से बिना मीटर देखे मीटर रीडिंग की सूचना विभाग को दी जाती है फलतः उपभोक्ताओं को उपभोग से अधिक विद्युत विपत्र में राशि जमा करना पड़ता है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'ग' में वर्णित जिलों में विद्युत विपत्रों को सुधार कर उपभोक्ताओं को राहत देना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

भवन की मरम्मति

*157 **श्री दिलीप राय (सीतामढी स्थानीय प्राधिकार):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत रुनीसैदपुर प्रखंड के कौरिया लालपुर, महिन्दवारा, प्रेमनगर, अथरी, ओलीपुर एवं तिलकताजपुर के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य का भवन जर्जर एवं दयनीय स्थिति में है, जिससे कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का भवन मरम्मती कराना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

चिकित्सा सुविधा

*158 **श्री सी.पी; सिन्हा उर्फ चन्देश्वर प्रसाद सिन्हा (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत नौबतपुर प्रखंड के जलपुरा ग्राम स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एक कमरा में चलता है, आजादी के पूर्व का यह स्वास्थ्य केन्द्र जर्जर स्थिति में है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सीय सुविधा का आभाव है, इस अस्पताल में 50 हजार स्थानीय लोगों को सुविधा प्राप्त है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त जिला के उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराते हुए चिकित्सा सुविधा एवं उपकरण की व्यवस्था कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

संपत्ति की रक्षा

*159 **डा. दिलीप कुमार जायसवाल (पूर्णिया, अररिया स्थानीय प्राधिकार):**

विधि :-

क्या मंत्री, विधि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि राज्य में कबीर मठों की संख्या बहुत अधिक है और मठों के पास जमीन एवं अन्य संपत्तियां हैं;

(ख) क्या यह सही है कि इनमें से कई मठ बिहार राज्य धामिर्क न्यास के अधीन निबंधित नहीं हैं, जिनके कारण आए दिन हत्या होती है और धामिक उन्माद फैलता रहता है;

(ग) क्या यह सही है कि मठ एवं मठ की संपत्ति की रक्षा के लिए स्थानीय थाना एवं प्रशासन का संरक्षण नहीं मिल पाता है;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के सभी कबीर मठों को बिहार राज्य धामिक न्यास पर्षद के अधीन निबंधित करते हुए संपत्ति की रक्षा करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

चिकित्सकों का पदस्थापन

*160 **श्री सोने लाल मेहता (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

श्री सोने लाल मेहता : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगडि़या जिला के गोगरी रेफरल अस्पताल में चिकित्सक के चार पद सृजित हैं;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' पर अंकित अस्पताल में विभागीय स्तर पर एक भी चिकित्सक पदस्थापित नहीं हैं;

(ग) क्या यह सही है कि रेफरल अस्पताल, गोगरी में ना ही विशेषज्ञ चिकित्सक हैं, ना ही शिशु रोग चिकित्सक हैं;

(घ) क्या यह सही है कि रेफरल अस्पताल, गोगरी में वर्ष 2019 के जनवरी में एक्स-रे मशीन का शुभारंभ किया गया जो वर्तमान में कई महीनों से बंद है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' पर अंकित अस्पताल में चिकित्सकों का पदस्थपान, विशेषज्ञ चिकित्सक, शिशु रोग चिकित्सक सहित एक्स-रे मशीन चालू रखना चाहती है, यदि हां तो कब से, नहीं तो क्यों ?

विद्युत पोल की व्यवस्था

*161 **डा. रामवचन राय (मनोनीत):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत, जीरोमाइल के दक्षिण जकरियापुर,

बड़ी पहाड़ी में अवध पथ के अंदर अक्षय नगर, रोड नं.-4 में बांस पोल से बिजली विद्युत आपूर्ति हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त रोड में एक-दो पोल रोड के किनारे झुका हुआ है, जिसके कारण कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है;

(ग) क्या यह सही है कि नया पोल गाड़ने एवं झुके हुए पोल को ठीक करने के लिए कई बार अनुरोध किया गया परन्तु फलाफल शून्य है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में झुके हुए पोल को यथाशीघ्र ठीक करवाने एवं अतिरिक्त पोल गाड़ना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

जलापूर्ति योजना चालू कबतक

*162 **श्री रजनीश कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिला में सौर ऊर्जा संचालित लघु पेय जलापूर्ति योजना लगभग 70 के आस-पास है;

(ख) क्या यह सही है कि उपरोक्त जलापूर्ति योजना रख-रखाव के अभाव में अधिकांश बंद पड़ी है, जिसके कारण आम अवाम को पेयजल का संकट उत्पन्न हो गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपरोक्त जलापूर्ति योजना को त्वरित कार्रवाई करते हुए बंद पड़ी सभी जलापूर्ति योजना को पुनः चालू करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पेयजल की आपूर्त्ति

*163 **श्री संतोष कुमार सुमन (विधान सभा):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के टनकुप्पा प्रखंड अन्तर्गत टनकुप्पा बाजार में वर्ष 2006 में करीब पांच हजार लोगों के लिए पेयजल आपूर्ति हेतु जल मीनार की निर्माण कार्य हुआ था;

(ख) क्या यह सही है कि पूरे टनकुप्पा बाजार में जलापूर्ति हेतु पाइप लाइन बिछाने के बावजूद अभी तक आम लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्घ नहीं कराई जा सकी है;

(ग) क्या यह सही है कि जल मीनार की आपूर्ति पाइप क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी बर्बाद होता रहता है और पानी के साथ-साथ सरकारी संसधान का भी दुरुपयोग हो रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या राज्य सरकार उक्त जल मीनार से टनकुप्पा बाजार के लोगों को पेयजल की आपूर्ति करायेगी, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई

*164 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग प्राथमिक/अतिप्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आउटसोर्सिंग से उपलब्ध कराये गये सेवाकमियों का भुगतान रोगी कल्याण समिति की बैठक में पारित किये जाने के बाद निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी के द्वारा किया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, महुआंव, विहिया, भोजपुर में रोगी कल्याण समिति के सचिव के बिना हस्ताक्षर के तत्कालीन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, विहिया, भोजपुर के द्वारा जाली ढंग से पैसे की निकासी कर बंदरबांट कर लिया गया है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के कृत्यों की जांच कराकर दोषी पाये जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है?